कार्यपत्र-18

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वाक्य में प्रयुक्त पदों को अलग-अलग करके प्रत्येक पद का व्याकरणिक परिचय देना, पद-परिचय कहलाता है। जैसे– मोहन पढ़ता है।

मोहन – व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, 'पढ़ता है' क्रिया का कर्ता।

पढ़ता है– अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

(ख) पदों का परिचय संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया तथा अव्यय शब्दों के आधार पर दिया जाता है।

2. निम्नलिखित रेखांकित पदों का परिचय दीजिए।

(क) मज़दूरों ने पत्थर तोड़े।

(ख) धीरे-धीरे सब कुछ ठीक हो जाएगा।

(ग) वह खाकर सो गया।

(घ) उसे पाँच किलो आटा दे दो।

(ङ) हाय! मैं तो मारा गया।

(च) बाहर कौन खड़ा है?

(छ) रमा ने विवेक को पेन दिया।

(ज) पंकज के पास काफ़ी भीड़ जमा हो गई।

(झ) वह दिनभर बोलता रहा।

(ञ) कुर्सी के नीचे बिल्ली बैठी है।

(ट) वह चलते-चलते थक गया।

(ठ) ताजमहल ऐतिहासिक इमारत है।

(ड) तुम्हारे चाचाजी आगरा गए हैं।

(ढ) उसने माँ की बात ध्यानपूर्वक सुनी।

(ण) मैं आठवीं कक्षा में पढ़ता हूँ।

(त) शारदा की साड़ी फट गई।

(थ) मुझको भी बाहर जाना है।

(द) ऐसा लग रहा है मानो चारों ओर शोर मच रहा हो।

(ध) बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।

(न) मंदिर के बाहर गाड़ी खड़ी है।

(प) वह अपनी बहन के लिए मिठाई लाया।

(क) मज़दूरों – जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिग, कर्ताकारक, 'तोड़े' क्रिया का कर्ता।

(ख) धीरे-धीरे – रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'ठीक हो जाएगा' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

(ग) सो गया – संयुक्त क्रिया, पुल्लिग, एकवचन, भूतकाल।

(घ) पाँच किलो – परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन 'आटा' विशेष्य का विशेषण।

(ङ) हाय! – विस्मयादिबोधक अव्यय, पीड़ा का भाव प्रकट करने का प्रकार्य।

(च) कौन – प्रश्नवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक।

(छ) विवेक को – व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक।

(ज) के पास – संबंधबोधक अव्यय, दिशासूचक, 'पंकज' और 'भीड़' शब्दों से संबंध।

(झ) दिनभर – रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'बोलता रहा' क्रिया की विशेषता।

(ञ) के नीचे – संबंधबोधक, स्थानसूचक, 'कुर्सी' और 'बिल्ली' शब्दों से संबंध।

बैठी है – सकर्मक क्रिया, कर्तृवाच्य, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल।

(ट) चलते-चलते – क्रियाविशेषण, 'थक गया' क्रिया की विशेषता।

(ठ) ताजमहल – व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक, 'है' क्रिया का कर्ता।

(ड) तुम्हारे – मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, संबंधकारक।

गए हैं – सकर्मक क्रिया, 'जा' धातु, बहुवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्तृवाच्य।

(ढ) ध्यानपूर्वक – रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'सुनी' क्रिया की विशेषता।

(ण) आठवीं – विशेषण, क्रमसूचक, निश्चित संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य की विशेषता।

(त) साड़ी – जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(थ) मुझको – उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक, 'जाना है' क्रिया का कर्ता।

(द) मानो – व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय, संभावना व्यक्त करने का प्रकार्य।

(ध) खेल रहे हैं – अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल, 'बच्चे' क्रिया का कर्ता।

(न) के बाहर – संबंधबोधक अव्यय, स्थानसूचक, 'मंदिर' और 'गाड़ी' शब्दों में संबंध।

(प) बहन – जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग।